University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
University of Lucknow, Lucknow

Press Note 26 May 2020

आज दिनाँक २६ मई, २०२० को लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के द्वारा "क्वेस्ट फॉर वर्ल्ड पीस इन २१ सेंच्युरी" विषय पर ३ दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का उद्घाटन वरिष्ठ अधिवक्ता, अखिल भारतीय बार काउंसिल एसोसिएशन के अध्यक्ष तथा न्यायविदों की अंतर्राष्ट्रीय परिषद, लंदन के अध्यक्ष डॉ आदिश चंद्र अग्रवाल ने किया।

वेबिनार के विषय पर प्रकाश डालते हुए डॉ आदिश चंद्र अग्रवाल ने कहा कि यह एक अलग प्रकार का मुद्दा है जिसके बारे में कोई बात नहीं कर रहा है। उन्होने विश्व के विकसित और विकासशील देशों की गिरती हुई अर्थव्यस्था का ज़िक्र किया साथ ही साथ उन्होने अमेरिका द्वारा चीन पर लगाए जा रहे आरोपों को तर्कसंगत बताते हुए यह भी कहा कि यदि चीन समय पर डब्ल्यू० एच० ओ० को इस बीमारी से अवगत करा देता तो यह महामारी पूरे विश्व के लिए संकट न बनती, साथ ही उन्होने यह भी बताया कि चीन ने छः हफ्ते देरी से डब्ल्यू० एच० ओ० को इस बीमारी से अवगत कराया जबकि वुहान में पहला केस दिसंबर में पाया गया था। उन्होंने भारत की वर्तमान स्थिति के बारे में बात करते हुए इस बारे में भी बात की कि भारत के लोग और सरकार किस प्रकार इस महामारी से निपट रहे हैं।

विधि संकाय के डीन प्रो० सी० पी० सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आज के परिदृश्य का एक ज्वलंत मुद्दा है तथा विश्व के सभी देश इस भयावह महामारी से जूझ रहे हैं। उन्होने इस महामारी के दौरान अंतर्राष्ट्रीय शांति पर मंडरा रहे खतरों के बारे में चर्चा करते हुए प्रदूषण, आतंकवाद, तेल के बढ़ते दाम तथा हथियारों पर अन्य देशों द्वारा किये जा रहे अत्यधिक खर्च को विश्व शांति के लिए खतरा बताया।

आज प्रथम दिवस पर सुश्री स्वाति सिंह परमार ने "यूज ऑफ लॉ इन इंटरनेशनल पीस कीपिंग" विषय पर चर्चा करते हुए कहा कि सरकार को शांति की ऑन-दी-स्पॉट कार्रवाई के बारे में सोचना चाहिए। उन्होने नकारात्मक और सकारात्मक शांति के बारे में भी बात की। उन्होने अंतरराष्ट्रीय राजनीति के बारे में बात की और कानूनी अधिकारों और राजनीतिक हितों के बारे में बताया। उन्होंने यह भी बात की कि संयुक्त राष्ट्र का चार्टर अंतरराष्ट्रीय शांति की गारंटी कैसे देता है और इसके कुछ आर्टिकल जैसे कि आर्टिकल 1, आर्टिकल ४३, आर्टिकल ४६ आर्टिकल ४७ आदि। प्रो० मानुका का खन्ना ने "रोल ऑफ सुपर पॉवर्स इन रेसॉल्विंग कॉंफ़्लिकट" विषय पर अपने विचार व्यक्त किये।

इस वेबिनार में देश की विभिन्न जगहों से लगभग ४०० विद्यार्थियों, अध्यापकों, विधि पेशेवरों तथा अनुसंधान एवं पीएचडी स्कॉलर आदि ने भाग लिया। वेबिनार के आयोजन सचिव विधि संकाय विवि के प्रो० मोहम्मद अहमद ने सभी अतिथि वक्ताओं का अभिनंदन किया तथा विषय पर अपने विचार प्रकट किये।

इस वेबिनार के आयोजन में विधि संकाय विवि के छात्र अध्यक्ष सक्षम अग्रवाल, छात्र संयोजक सचिन वर्मा, छात्र सह-संयोजक विनय यादव तथा दिव्यांशु चतुर्वेदी तथा शिशिर यादव शिखर ने प्रमुख भूमिका निभाई।